

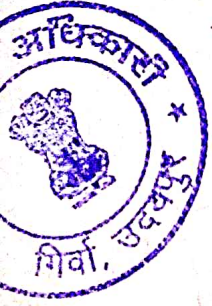
को पेश हों।

आज्ञा से
रीडर

01.5.24

पचावली मूल वाद के साथ खिगाह से तलब
होकर पेय डुई प्रकण का मूल वाद बिदो उले तथा
हस्तगत प्रकण के भी अर्क्षीण द्वारा बिदो का निवेदन
बिधे जाने के उपकरण के अब कोई कार्यवाही शेष
नहीं रहती है।

अतः प्रार्थना का शीघ्र पर कार्रज किया
जाता है निवेदन से उज्ज्वल सुनाया गया प्रकण
पेयल भुका होकर नम्र से इस हो।



(रिवा डबी)

उपखण्ड अधिकारी
मिर्जा, उदयपुर



लाली
मुकुन्द बाबू बिदो. दान...
रहती है बिदो...
Jalshah

